साप्ताहिक
बुलंद गोंदिया
खबरों का आईना

प्रधान संपादक : **अभिषेक चौहान** । संपादक : **नवीन अग्रवाल**

E-mail : **bulandgondia@gmail.com** | E-paper : **bulandgondia.net** | Office Contact No.: **7670079009** | **RNI NO. MAH-HIN-2020/84319**

वर्ष : 5 । अंक : 22 | गोंदिया : गुरुवार, दि. 9 जनवरी से 15 जनवरी 2025 | पृष्ठ : 4 | मूल्य : रु. 5

बच्चे ने खाई डामर गोली

गोंदिया-देवरी तहसील के ग्राम आमगांव निवासी तनसुया लटये (2) ने रामपुरी में डामर की गोली खा ली. उसे नवेगांवबांध के ग्रामीण अस्पताल में प्राथमिक उपचार के बाद गोंदिया के मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया, जहां उसका उपचार चल रहा है. शहर पुलिस ने मामला दर्ज किया है.

पिस्तौल व जिंदा कारतूस सहित दो आरोपी हिरासत में लोकल क्राइम ब्रांच की बड़ी सफलता

बुलंद गोंदिया- आमगांव पुलिस थाना अंतर्गत आने वाले आमगांव रिसामा क्षेत्र में नव वर्ष के अवसर पर आरोपी नरेश तिराले द्वारा पिस्तौल की नोक पर दहशत फैलाने की गुप्त जानकारी नागरिकों द्वारा वरिष्ठ अधिकारियों को दिए जाने पर 4 जनवरी की रात लोकल क्राइम ब्रांच द्वारा छापामार कार्रवाई कर आरोपी के पास से पिस्तौल व जिंदा कारतूस जप्त कर उसके एक सहयोगी सहित हिरासत में लिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार आमगांव पुलिस थाना क्षेत्र अंतर्गत अवैध व्यवसाय ,घर फोड़ी करने वाले अपराधियों की तलाश के लिए लोकल क्राइम ब्रांच द्वारा पेट्रोलिंग की जा रही थी इसी दौरान स्थानीय नागरिकों द्वारा लोकल क्राइम ब्रांच के पुलिस निरीक्षक दिनेश लबडे को जानकारी दी की 1 जनवरी को नववर्ष के अवसर पर आरोपी नरेश तिराले पिस्तौल की नोक पर दहशत निर्माण कर रहा था। उसकी इस दहशत पूर्ण कार्रवाई के चलते उसके खिलाफ लोकल पुलिस थाने में शिकायत दर्ज नहीं करवाई गई मामले की जानकारी प्राप्त होते ही इस संदर्भ में वरिष्ठ अधिकारियों को सूचित कर वरिष्ठों के दिशा निर्देशानुसार आरोपी के पास पिस्तौल होने की पुष्टि कर 4 जनवरी की रात आरोपी के निवास स्थान हाल मुकाम रिसामा तहसील आमगांव में छापा मार करवाई करपिस्तौल वह जिंदा कारतूस जप्त किया जिसकी अंदाजा की कीमत 35000 बताई गई है। इस मामले में आरोपी से कड़ाई से पूछताछ किए जाने पर उसने जानकारी दी कि यह पिस्तौल उसने अपने मित्र गोंदिया मामा चौक निवासी एजाज इस्माइल खान से प्राप्त की थी। आरोपी द्वारा दी गई जानकारी के आधार पर एजाज खान को भी हिरासत में लिया गया। इस मामले की जांच कर बिना मंजूरी के अवैध रूप से हथियार पिस्तौल रखने वह दहशत निर्माण करने पर आरोपी के खिलाफ धारा 3,25 भारतीय हथियार कानून के तहत आमगांव पुलिस थाने में मामला दर्ज कर जप्त हथियार आमगांव पुलिस के सुपुर्द किया गया तथा आगे की जांच आमगांव पुलिस द्वारा की जा रही है । उपरोक्त कार्रवाई पुलिस अधीक्षक गोंदिया गोरख भामरे, अपर पुलिस अधीक्षक देवरी कैंप नित्यानंद झा के दिशा निर्देश अनुसार पुलिस निरीक्षक लोकल क्राइम ब्रांच दिनेश लबडे के मार्गदर्शन में पुलिस उप निरीक्षक शरद सैदाने, पो. हवा.राजु मिश्रा, महेश मेहर, नेवालाल भेलावे, चित्तरंजन कोडापे, सुजीत हलमारे, पो.शि. संतोष केदार, अजय रहांगडाले, दुर्गेश पाटील, चापोशि. मुरली पांडे द्वारा की गई।

हादसे में हुआ धड़ से सिर हुआ अलग मामले का खुलासा देवरी चिचगढ़ मार्ग की घटना

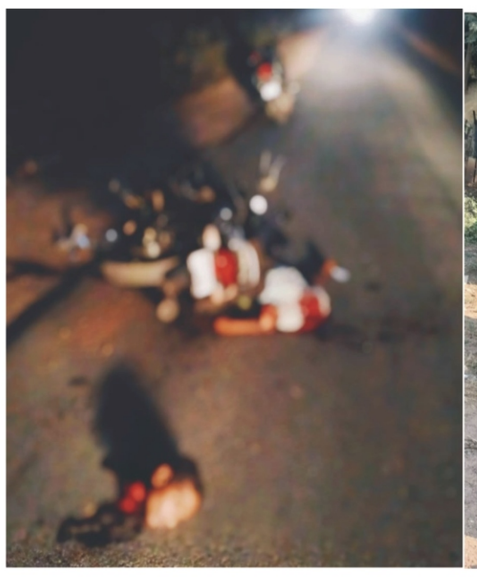

बुलंद गोंदिया (संवाददाता देवरी) - देवरी से चिचगढ़ मार्ग पर ग्राम सालई के समीप सोमवार 6 जनवरी की शाम एक व्यक्ति का सर अलग हुआ शव दिखाई दिया था इस मामले में देवरी पुलिस की जांच मैं खुलासा हुआ कि ट्रैक्टर से दुर्घटना होने के चलते आलेवाड़ा निवासी निकेश आत्माराम कराडे उम्र 32 वर्ष की मौत हुई।

गौरतलब है की देवरी से चिजगढ़ मार्ग पर 6 जनवरी 2025 की शाम 6 से 7.00 बजे के दौरान मार्ग पर दुपहिया के नीचे धड़ वह उसे कुछ दूरी पर सर गिरा वाला शव दिखाई दिया था जिसमें हत्या या हादसा यह शंका व्यक्त की जा रही थी। मामले की गंभीरता को देखते हुएदेवरी पुलिस द्वारा तत्काल जांच शुरू की जिसमें मामले का खुलासा हुआ कि एक बिना नंबर का ट्रैक्टर व ट्राली जिसमें टिन की चादर अन्य सामान लेकर जाने वाले ट्रैक्टर के चालक ने उसे जबरदस्त टक्कर मार दी इस दुर्घटना में निकेश का धड़ से सर अलग हो गया वह उसकी घटना स्थल पर ही मौत हो गई। इस घटना के बाद ट्रैक्टर चालक घटनास्थल से ट्रैक्टर लेकर फरार हो गया जिसे देवरी पुलिस द्वारा हिरासत में लेकर कड़ाई से पूछताछ किए जाने से इस मामले का खुलासा हो पाया। इसके पूर्व देवरी पुलिस द्वारा मृतक की पहचान के लिए तत्काल आसपास के गांव में इसकी सूचना दी जिस पर जिस पर सलाई ग्राम के निवासी दीपक मनीराम शामकुवर उम्र 54 वर्ष द्वारा देवरी पुलिस थाने में शिकायत दी की उसे सूचना मिली थी कि सालाई मार्ग पर पुलिया के समय पर एक अज्ञात व्यक्ति का शव पड़ा हुआ है। घटनास्थल पर जाकर देख जाने पर एक युवक मृत अवस्था में दिखाई दिया तथा उसका धड सर से अलग हो गया था तथा दुपहिया वाहन क्रमांक एमएच 35 एवी 2968 उसके धड़ पर पड़ी हुई थी तथा मोटरसाइकिल की हेडलाइट तथा सामने का हिस्सा पूरी तरह टूटा हुआ था तथा समीप ही एक मोबाइल फोन पड़ा था तथा मृतक की पहचान देवरी तहसील के मोहगांव आलेवाड़ा निवासी निकेश आत्माराम कराडे के रूप में की गई ।निकेश प्रतिदिन के अनुसार देवरी एमआईडीसी से अपना काम खत्म कर अपने घर की ओर जा रहा था।

उपरोक्त मामले में देवरी पुलिस द्वारा मामला दर्ज कर आगे की जांच शुरू की।

मोबाइल बना मौत का कारण

इस गंभीर दुर्घटना में मामला सामने आया कि दुर्घटना के समय मृतक के मोबाइल पर फोन आया था जिसमें जिससे वह चलती दोपहिया वाहन पर मोबाइल से बात कर रहा था। इसी दौरान उसका संतुलन बिगड़ जाने से यह गंभीर हादसा हुआ विशेष यह है कि वर्तमान समय में अधिकांश सड़क दुर्घटना में मुख्य रूप से दुपहिया वाहन पर चलते हुए मोबाइल से बात करना काफी घातक साबित हो रहा है जिससे प्रतिदिन बड़ी संख्या में दुर्घटना घटित हो रही है।

9 हजार का नायलॉन मांजा पकड़ा

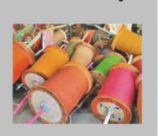

गोदिया-तिरोड़ा पुलिस ने तिलक वार्ड तिरोड़ा में नायलान मांजे की बिक्री करने वाले एक व्यक्ति के पास से 8 हजार 920 रुपए का नायलॉन मांजा जब्त किया है। आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। जानकारी के अनुसार फरियादी पुलिस उपनिरीक्षक तेजस विजय कोंडे ने पुलिस स्टाफ एवं दो पंचों के साथ आरोपी संजय भैयालाल मानकर (45) के हाथ में पकड़ी थैली की तलाशी ली तो 11 नग नायलॉन मांजे की चकरी मिली। यह कार्रवाई 5 जनवरी को दोपहर 2.55 से शाम 4.10 बजे के दौरान की गई। * पुलिस ने 5 जनवरी की रात 11.30 बजे के दौरान मामला दर्ज किया है।

एचएमपीवी वायरस से घबराएं नहीं जिला स्वास्थ्य विभाग की अपील

गोंदिया-कोरोना जैसे लक्षण वाले ह्यूमन मेटा न्यूमो वायरस (एचपीएमवी) ने कोरोना की याद ताजा कर दी है. हालांकि भारत में फिलहाल एचएमपीवी के 4 मामले पाए गए हैं, लेकिन कोरोना जैसी बीमारी से घबराने की जरूरत नहीं है क्योंकि ये वायरस नया नहीं बल्कि पुराना है. महाराष्ट्र में अभी तक एचएमपीवी का कोई मरीज नहीं मिला है. इस वायरस से चिंता की कोई बात नहीं है यह बात स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने कही है. वहीं ऐसा आव्हान जिलाधीश प्रजीत नायर और जिप सीईओ मुरुगानंथम ने किया है. जानकारी के अनुसार एहतियात के तौर पर सर्दी, खांसी और गंभीर तीव्र श्वसन संक्रमण (एसएआरआई) के मरीजों का नियमित सर्वेक्षण शुरू कर दिया गया है. इस वायरस का संक्रमण मुख्य रूप से बच्चों और बुजुर्ग लोगों (मधुमेह और उच्च रक्तचाप) को होने की अधिक आशंका है. कुछ निवारक उपाय अपनाकर भी मरीज इस बीमारी से उबर सकते हैं. सार्वजनिक स्वास्थ्य विभाग ने नागरिकों को निम्नलिखित निवारक निर्देश दिए हैं. जिसमें खांसते या छींकते समय अपने मुंह और नाक को रूमाल या टिशू पेपर से ढक लें, अपने हाथों को बार-बार साबून और पानी या अल्कोहल-आधारित सैनिटाइजर से धोएं, यदि बुखार, खांसी और छींक आ रही है तो सार्वजनिक स्थानों से दूर रहें, खूब पानी पिएं और पौष्टिक भोजन करें, संक्रमण को कम करने के लिए सभी क्षेत्रों में पर्याप्त वेंटिलेशन सुनिश्चित करें.

नागरिक ऐसा न करें

हाथ मिलाना, टिशू पेपर और नैपकिन का दोबारा उपयोग न करें, बीमार लोगों से निकट संपर्क ने रखें, आंख, नाक और मुंह को बार-बार न छूने, सार्वजनिक स्थान पर न थूके, डाक्टर की सलाह के बिना दवा न ले. जिप सीईओ और जिला स्वास्थ्य अधिकारी ने नागरिकों से सतर्क रहने और बिना घबराए दिशानिर्देशों का पालन करने की अपील की है.

कोहमारा में 60 वर्षीय महिला की हत्या

बुलंद गोंदिया। गोंदिया तहसील के जिले के दुग्गीपार पुलिस थाना अंतर्गत कोहमारा में एक सनसनीखेज घटना सामने आई है जिसमे 60 वर्षीय महिला की अज्ञात आरोपियों ने हत्या कर दी। मृतक कोहमारा आनंद नगर निवासी देवेन्द्रबाई पंढरी खोबरागड़े उम्र 60 वर्ष बताया गया है । घटना 6 जनवरी को सामने आई है। दुग्गीपार पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज किया है। पुलिस ने जानकारी देते हुए बताएं कि मृत महिला की बेटी ने डुग्गीपार पुलिस थाने में शिकायत की उसकी मां मृतक देवेन्द्रबाई पंढरी खोबरागड़े उम्र 60 वर्ष आनंद नगर कोहमारा निवासी थी। मां को फोन करने पर उसका मोबाइल फोन बंद था जिस पर उसने मोहल्ले की अलकाबाई झिंगरे को मृतक के घर जाने के लिए कहा, जब अलकाबाई झिंगरे मृतक के घर गयी, तो उसने देखा कि मृतक मृत अवस्था में पड़ी हुई है। उसकी नाक से खून बह रहा था और फर्श पर खून गिरा हुआ दिखाई दिया। जिसकी जानकारी मिलते ही मृतक की बेटी ने डुग्गीपार पुलिस थाने मे शिकायत की, शिकायत के आधार पर अज्ञात आरोपियों के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज किया गया। समाचार लिखे जाने तक किस वजह से उसकी हत्या की गई है और हत्यारा कौन है, इसकी जानकारी नहीं मिल पाई।

सूना मौका पाकर मोटर पंप पर हाथ साफ

गोंदिया-आमगांव थानांतर्गत ग्राम चिरचाड़बांध के फार्महाउस से किसी चोर ने सूना मौका पाकर 3 एचपी की मोटर पंप पर हाथ साफ कर दिया। जिसकी कीमत 15 हजार रुपए बताई गई है। यह घटना 1 जनवरी को सुबह 9.30 बजे प्रकाश में आई। ग्राम भजियापार निवासी फरियादी धनराज तेजराम ठाकुर (49) की रिपोर्ट पर आमगांव पुलिस ने मामला दर्ज किया है।

आमगांव में जनशताब्दी एक्स. स्टापेज के लिए मंत्री आशीष जैस्वाल को दिया ज्ञापन

बुलंद गोंदिया। (आमगांव)-महाराष्ट्र सरकार के नव निर्वाचित राज्यमंत्री ऐड. आशीष जैस्वाल (वित्त, नियोजन, कृषि, मदद व पुनर्वसन, विधि व न्याय, व कामगार) मंत्री के आमगांव में प्रथम आगमण पर डी.आर.यू.सी.सी. सदस्य रितेश अग्रवाल ने आमगांव में जनशताब्दी एक्सप्रेस के स्टापेज के लिए ज्ञापन सौंपा। मंत्री जैस्वाल ने चर्चा में कहा कि ये केंद्र का मामला है, फिर भी दिल्ली में हमारे वरिष्ठ केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी से खुद पत्र देकर इस समस्या को जल्द से जल्द पूरा करवाने की कोशिश करूंगा। आमगांव में जनशताब्दी एक्सप्रेस रेलवे गाड़ी के लिए, क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों कोई कई बार इस समस्या से अवगत करवाया गया फिर भी इस ओर किसी भी जनप्रतिनिधि ने ध्यान नही दिया, क्षेत्र के पूर्व सांसद अशोक नेते को भी इसके पूर्व रितेश अग्रवाल द्वारा लिखित रूप से ज्ञापन देकर समस्या से अवगत किया गया था, फिर भी उनके दस साल के कार्यकाल में कोई भी नई एक्सप्रेस रेल गाड़ी नही रुक सकी।अब आमगांव के साथ साथ समीप के मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़ के जनता ने राज्यमंत्री जैस्वाल से आस लगाई है।

दिव्यांग कल्याणकारी संगठन गोंदिया तहसील अध्यक्ष पद पर योगेश लिल्हारे की नियुक्ति

बुलंद गोंदिया। दिव्यांग कल्याणकारी संघटना गोंदिया जिला की विशेष सभा जिला अध्यक्ष दिगंबर बंसोड़ की अध्यक्षता में संपन्न हुई जिसमें गोंदिया तहसील कार्यकारिणी का गठन कर तहसील अध्यक्ष पद पर योगेश लिल्हारे की नियुक्ति की गई। गोंदिया जिला दिव्यांग कल्याणकारी संघटना की विशेष सभा जिला अध्यक्ष दिगंबर बंसोड़ की अध्यक्षता में संपन्न हुई ।इस सभा में गोंदिया तहसील की नई कार्यकारिणी का पुनर्गठन किया गया जिसमें अध्यक्ष पद पर योगेश लिल्हारे, उपाध्यक्ष पद पर उमेश मेश्राम व सचिन पद पर दिनेश पटले की नियुक्ति सर्वसम्मति से की गई। इस अवसर पर नव निर्वाचित पदाधिकारी को पुष्प गुच्छे देकर आगामी कार्यकाल के लिए शुभकामना दी गई। साथ ही जिला स्तरीय संगठन मंत्री के रूप में दुर्गेश जावलकर की भी नियुक्ति की गई। आयोजित सभा में मुख्य रूप से संगठन के जिला उपाध्यक्ष सोभेलाल भोंगाडे, जिला सचिव दिनेश पटले, आकाश मेश्राम ,राजू बरईकर, योगेश पसीने, हरीश गुप्ता, हिमवती चौधरी, तारकेश्वरी चौहान, तोमेश्वरी राऊत, सरिता चिखलौंडे, जयप्रकाश पटले,दामिनी पटले उपस्थित थे।

नाबालिग वाहन चालकः 4 दिनों में 80 से 1 लाख 19 हजार रुपए वसूला जुर्माना

गोंदिया-नाबालिग वाहन चालकों के खिलाफ गोंदिया जिला यातायात विभाग एक्शन मोड में दिखाई दे रहा है।4 दिनों में 80 नाबालिग एवं ट्रिपल सीट वाहन चालकों के खिलाफ कार्रवाई कर उनसे 1 लाख 19 हजार रुपए का जुर्माना वसूल किया गया है। इस कार्रवाई से नाबालिग वाहन चालकों के साथ ही उनके अभिभावकों में हड़कंप मच गया है। गौरतलब है कि जिला यातायात शाखा के पुलिस निरीक्षक नागेश भास्कर द्वारा 4 जनवरी को नाबालिग वाहन चालकों को समझाइश के लिए एक पत्र जारी किया गया है। यातायात विभाग ने समझाइश के लिए पत्र जारी किया ज़ दोबारा पकड़ा जाता है तो सख्त कार्रवाई की जाएगी इस पत्र को जिले के सभी स्कूल एवं कॉलेजों के साथ ही सोशल मीडिया पर प्रसारित किया गया है। जिसके माध्यम से बताया गया है कि शाला एवं कॉलेज में 18 वर्ष से कम आयु के विद्यार्थी वाहन से आते हैं। नाबालिग विद्यार्थियों को वाहन चलाने विया गया तो मोटर वाहन सुधारित अधिनियम 2019 की धारा 199 के तहत अभिभावक मोटर वहन मालिक पर 3 माह तक कैद व 25 हजार रुपए का जुमनि का प्रावधान है। स्कूल, कालेजों में शिक्षकों के माध्यम से सभी विद्यार्थियों को इससे अवगत कराने की बात कही है। साथ ही सोशल मीडिया के जरिये भी विद्यार्थियों के अभिभावकों तक संदेश पहुंचाने को कहा है। ताकि 18 वर्ष से कम आयु के विधार्थी स्कूल एवं कॉलेजों में वाहनों से ना आएं। विभाग की ओर से नाबालिग वाहन चालकों पर निरंतर कार्रवाई की जा रही है। हालांकि पत्र जारी होने के बाद से जिला यातायात विभाग की ओर से कार्रवाई के इस अभियान को तेज कर दिया गया है। नाबालिग वाहन चालकों के अभिभावकों को भी समझाइश दी गई है। इसके बावजूद अगर नाबालिग वाहन चालक दोबारा पकड़ा जाता है तो सख्त कार्रवाई की जाएगी। ऐसी चेतावनी भी यातायात सारा की ओर से दी गई है।

अभिभावक ही प्रेरित कर रहे

नाबालिग वाहन चालकों को वाहन चलाने के लिए अभिभावक ही प्रेरित कर रहे हैं। जो कानूनी अपराध है। अक्सर देखा गया है कि स्कूल एवं कॉलेजों में 18 वर्ष से कम उम्र के विद्यार्थी वाहनों से जाते हैं। अधिकांश बार तो विद्यार्थियों को ट्रिपल सीट भी देखा गया है। जे दुर्घटनाओं का कारण बनते हैं। अभिभावकों को इस ओर ध्यान दिया जाना चाहिए। अन्यथा विभाग की और से सख्त कार्रवाई का कदम उठाया जाएगा।

- नागेश भास्कर, पुलिस निरीक्षक, यातायात शाखा, गोंदिया

संपादकिय...

केंद्रीय गृहमंत्री का दावा एक दिन साकार हो

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह बार-बार दावा करते रहे हैं कि मार्च, 2026 तक नक्सलवाद का अस्तित्व खत्म कर दिया जाएगा। इस लड़ाई में हमारे जांबाज जवानों का बलिदान व्यर्थ नहीं जाएगा। नक्सलवाद घुटने टेक रहा है, नक्सली आत्मसमर्पण कर रहे हैं। एक दिन ऐसा होगा कि नक्सलवाद का नामलेवा भी शेष नहीं रहेगा। देश चाहता है कि गृहमंत्री का दावा एक दिन साकार हो, चरितार्थ हो, क्योंकि नक्सलवाद भी एक खास किस्म का आतंकवाद है, लेकिन छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले के अंबेली गांव में नक्सलियों ने आईईडी विस्फोट करके जिस तरह 8 जवानों और एक वाहन चालक को 'शहीद' किया है, वह रुह कंपा देने वाला हमला है। यह अप्रैल, 2023 के बाद का सबसे बड़ा, घातक हमला है और 2025 का पहला जानलेवा हमला है। छत्तीसगढ़ के ही दंतेवाड़ा क्षेत्र में 26 अप्रैल, 2023 को आईईडी विस्फोट करके 10 पुलिसकर्मियों को 'शहीद' किया गया था। इस बार सुरक्षा बल अबूझमाड़ के जंगल में एक सफल ऑपरेशन में 5 नक्सलियों को मार कर लौट रहे थे। हालांकि 'रोड ओपनिंग पार्टी' रास्ते को साफ करती चल रही थी। काफिले में कुछ और वाहन भी थे, जो वैकल्पिक रास्ते पर चले गए। नक्सलियों ने एक वाहन को निशाना बनाया और विस्फोट में वाहन के परखच्चे उड़ गए। बताया जाता है कि हमले में करीब 70 किलोग्राम विस्फोटक का इस्तेमाल किया गया। लिहाजा बेहद महत्वपूर्ण और गंभीर सवाल है कि 'रोड ओपनिंग पार्टी' इतने विस्फोटक को देख और पकड़ क्यों नहीं सकी? यदि रास्ते को गंभीरता से साफ किया जाता, तो विस्फोटक पकड़ में आ सकता था और उसे निरस्त, निष्प्रभावी किया जा सकता था। यह स्पष्ट लापरवाही, अनदेखी थी, जिसने हमारे जवानों की जिंदगी छीन ली। अब एक बार फिर बहस शुरू होगी कि सुरक्षा बलों की आवाजाही सडक़ मार्ग के बजाय हवाई उड़ान के जरिए क्यों नहीं हो सकती? यह सवाल फरवरी, 2019 के पुलवामा (कश्मीर) आतंकी हमले के बाद भी उठा था, जिसमें हमारे 40 सुरक्षाकर्मियों को 'शहीद' कर दिया गया था। बीजापुर जिले में इस बार का विस्फोट इतना ताकतवर था कि वाहन के पुर्जे 400 मीटर दूर तक बिखर गए। वाहन का एक हिस्सा करीब 30 फुट दूर पेड़ पर लटका मिला। घटनास्थल पर ही करीब 10-12 फुट गहरा और चौड़ा गड्ढा बन गया। जवानों के शव भी क्षत-विक्षत हो गए। नक्सली विस्फोट करके भाग निकले। धमाका होते ही रोड ओपनिंग पार्टी के जवानों ने मोर्चा संभाल लिया, लेकिन शहादत तो हो चुकी थी। यह हमला ही साबित करता है कि नक्सलवाद अभी जिंदा है। उनकी रणनीति कारगर साबित हो रही है। उनके पास हथियार और हत्यारे विस्फोटक हैं, लिहाजा सवाल है कि 2026 तक नक्सलियों का बिल्कुल खात्मा कैसे संभव है? बीते साल 2024 में 287 नक्सली मारे गए, करीब 1000 गिरफ्तार किए गए, 837 ने आत्मसमर्पण किया, लेकिन हमारे जवान भी 'शहीद' हुए हैं। हमारे लिए यह चिंताजनक बात है। नक्सलवाद अब भी देश के 30 जिलों में मौजूद है।

संस्कारित अभिभावक ही संस्कारशील बालकों के सक्षम सृजनकर्ता राष्ट्रीय युवा दिवस विशेष 12 जनवरी 2025)

आज के आधुनिक दुनिया की वास्तविकता है कि दुर्भाग्य से अभिभावकों का व्यवहार ही बच्चों को नकारात्मकता की ओर धकेल रहा हैं। बच्चों में चिड़चिड़ापन, जिद, अनुचित व्यवहार के साथ शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य समस्याएं तो लगातार बढ़ ही रही हैं, जन्म के समय बच्चों का अपर्याप्त विकास, कुपोषण, विकलांगता जैसी समस्याएं भी बढ़ रही हैं। आधुनिकता के नाम पर हम अपनी अच्छी बातें, संस्कार, विचार भूल गए हैं और बुरी बातों में लगकर जीवन को कठिन बना लिया है। अनेक माता-पिता या घर के बड़ों को यह भी नहीं पता कि उन्हें बच्चों के सामने कैसा व्यवहार करना चाहिए, इसी कारण परिवार, समाज, देश और दुनिया में समस्याओं का पहाड़ खड़ा हो रहा है। बच्चे रोते हैं, इसलिए उन्हें मोबाइल फोन की आदत लगा दी जाती है, बच्चे जिद करते हैं इसलिए उन्हें जंक फूड खिलाया जाता है। बच्चों के मानसिक-शारीरिक स्वास्थ्य के लिए नुकसानदेह वस्तुएं, खाद्यपदार्थ भी बड़े प्यार से मुहैया करायी जाती हैं और अभिभावक ही कहते हैं, कि आज की पीढ़ी बहुत बिगड़ गई है, मां-बाप की बात बिल्कुल नहीं सुनते। हम संस्कारहीन, संवेदनहीन, नैतिकताहीन, स्वार्थी समाज के अभिन्न अंग है।

इस साल शिक्षक दिवस के उपलक्ष पर एक स्कूल में सांस्कृतिक कार्यक्रम के तौर पर छोटी बच्चियों के नृत्य का वीडियो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हुआ। वह वीडियो देखकर हैरानी हुई, 6-7 साल की शालेय लड़कियां फिल्मी गाने पर डांस कर रही थीं, फिल्मी अभिनेत्री की तरह आधुनिक वेशभूषा धारण कर ये नन्ही बच्चियां शिक्षा के उस मंदिर में नाच रही थीं और गा रही थी कि आज की रात मजा हुस्न का, आँखों से लीजिये शिक्षकों के सम्मानार्थ शिक्षक दिवस मनाया जाता है, वहां ये छोटी-छोटी लड़कियां नृत्यकला का कौन-सा प्रदर्शन कर रही है, उस स्कूल के शिक्षकों और उन बच्चियों के अभिभावकों के बारे में क्या कहें? जिन्होंने इस तरह के कार्यक्रम का आयोजन किया। आज की आधुनिक पीढ़ी हमारे देश के महान समाज सुधारक, वैज्ञानिक, महान क्रांतिकारी देशभक्तों के बारे में जानती हो या नहीं, लेकिन उन्हें रील, फैशन, फिल्म इंडस्ट्री के बारे में जानकारी होती है। यहां तक कि बच्चों के रोल मॉडल भी देश के लिए जान न्योछावर करनेवाले वीर सैनिक, संघर्षरत समाज सुधारक नहीं, बल्कि फिल्मी नायक-नायिकाएं हैं। क्योंकि बच्चों को पसंद आने वाली ऐसी मनोरंजक जानकारी उन्हें आसानी से उपलब्ध हो जाती हैं।

आजकल संयुक्त परिवार अलग होकर छोटे परिवारों में विभक्त होते जा रहे हैं। अधिकांश परिवारों में, माता-पिता के पास अपने बच्चों की देखभाल के लिए समय नहीं होता है। बच्चे अपना समय कहाँ बिताते हैं, उनकी दिनचर्या क्या होती है, बच्चे कितना पैसा कहाँ खर्च करते है, अधिकांश अभिभावकों को यह भी पता नहीं होता। बच्चे जैसा कहते हैं माता-पिता वैसा ही विश्वास करते हैं। बहुत बार बच्चों पर अतिविश्वास और अति लाड-प्यार भविष्य में परिवार, समाज, देश के लिए बहुत महंगा पड़ता है। आजकल बच्चों में आपराधिक प्रवृत्ति काफी बढ़ गई है, वे छोटी-छोटी बातों पर उग्र हो जाते है, नशा करते है, हथियार रखते है, गिरोह बनाकर घूमते हैं। छोटी-छोटी बात पर लड़ने तैयार हो जाते है। गालीगलौच, छींटाकशी और अभद्र भाषा का प्रयोग तो ऐसे करते है, कि चाहे कितनी भी महंगी शिक्षा क्यों न दी जाए, उन्हें उचित मोड़ नहीं मिलता है। अक्सर खबरें पढ़ने-सुनने को मिलती हैं कि नाबालिग गंभीर अपराधों में शामिल हैं। हत्या, बलात्कार, चोरी, डकैती, मादक पदार्थों की तस्करी, जानलेवा हमले करने वाले कई गिरोहों में नाबालिग भी होते हैं। जिद पूरी न होने पर कुछ लड़कियां और लड़के अपने माता-पिता की जान लेने से भी नहीं डरते, अपनी मनमानी पूरी न होने पर वे हिंसक हो जाते है, ये बच्चे अपराधी बनकर पैदा नहीं होते, माता-पिता की गैर जिम्मेदारी और लापरवाही के कारण अपराधी बनकर पूरे समाज के लिए घातक बन जाते हैं।

अधिकतर नवदम्पत्ति महिलाओं को घर पर भोजन बनाना पसंद नहीं है, इसलिए हमेशा स्वादिष्ट भोजन के लिए होटल जाना पड़ता है। शरीर को आवश्यक पोषक तत्व नहीं मिल पाते, जिससे सेहत हमेशा खराब रहती है, बच्चों को भी बाहर खाने की आदत लग जाती है। बच्चों को अपना अच्छा-बुरा पता नहीं होता, लेकिन अभिभावक भी बच्चों पर अंकुश नहीं लगाते, उलटे उन्हें बिगाड़ देते हैं। अक्सर माता-पिता घर में बड़े-बुजुर्गों के साथ अमानवीय व्यवहार करते हैं, लेकिन वही माता-पिता अपने बच्चों से आदर्श चरित्र की उम्मीद करते हैं। हमारे सभ्य समाज में शायद ही देखने-सुनने मिलता है कि शादी से पहले बेटे अपने परिवार से विभक्त हो गए है या उन्होंने अपने बड़े बुजुर्गों, अभिभावकों को वृद्धाश्रम में छोड़ दिया है, लेकिन शादी के बाद घर परिवार से विभक्त होना अब तो आम बात हो गयी है। जब यह असहाय बुजुर्ग व्यक्ति जीवन के अंतिम पड़ाव में कमजोर शरीर के साथ जिंदगी की जद्दोजहद से जूझ रहे होते है, उसी वक्त उन्हें अपनों के सहारे की सबसे ज्यादा जरुरत होती है और उसी वक्त अपने उनका साथ छोड़ देते है।

आज के आधुनिक परिवेश में जहां सुख-सुविधाएं तो बहुत हैं, लेकिन इस आधुनिकता में मनुष्य ने अपनी खुशी, शांति, समाधान, स्वाभाविकता, भोलापन खो दिया है। मनुष्य इतने निचले स्तर पर चला गया है कि कई बार लोगों के स्वार्थ को देखकर ऐसा लगता है कि इनसे बेहतर तो पशु-पक्षी हैं, जो अपने लाभ के लिये दूसरों की जिंदगिया तबाह नहीं करते। फैशन और आधुनिक जीवनशैली के चक्कर में हम अपनी संस्कृति को भूलते जा रहे हैं। अपराध, भ्रष्टाचार, पद और सत्ता का दुरुपयोग, प्रदूषण, मिलावट, हर जगह राजनीतिक हस्तक्षेप, अश्लीलता, झूठ, दिखावे, भेदभाव, धोखाधड़ी, नशाखोरी, लालच, असभ्य व्यवहार, ईर्ष्या के इस प्रदूषित वातावरण में मन की शांति प्राप्त करना एक भ्रम है।

कई माता-पिता अपने बच्चों की आवश्यक जरूरतों और उनकी जिद के बीच के अंतर को नहीं समझते। बचपन से ही महंगे शौक, जिद, गर्लफ्रेंड-बॉयफ्रेंड रिलेशनशिप का चलन, तनाव, आधुनिकता, झूठा दिखावा, फिल्में और बच्चों के दिमाग पर सोशल मीडिया के बुरे प्रभाव ने उनमे गलत काम के प्रति आकर्षण बढ़ाकर उनके जीवन में जहर घोल दिया है। अभिभावकों का लगातार व्यस्त रहना, बच्चों की दिनचर्या पर ध्यान न देना, बच्चों पर नियंत्रण न रखना, बच्चों की गलतियों को हमेशा नजरअंदाज करना, केवल महंगे उपकरण या भौतिक सुविधाएं प्रदान करना, बच्चों को अत्यधिक लाड़-प्यार करना और उनकी हर इच्छा पूरी करना ही माता-पिता अपनी जिम्मेदारी समझते हैं। क्या बच्चों के सामने अभिभावक आदर्शवादी मार्गदर्शक की भूमिका बखूबी निभा रहे है? कि जिससे बच्चे सिख लें। बच्चों को सही समय पर संस्कार उचित पालन-पोषण, पोषक वातावरण देना बहुत जरूरी है। एक बार समय बीत जाने पर पछतावे के अलावा कुछ नहीं बचता, फिर उस गलती का खामियाजा व्यक्ति को जीवन भर भुगतना पड़ता है। माता-पिता को आधुनिक बनना चाहिए लेकिन केवल सोच के साथ और वही सोच अगली पीढ़ी तक पहुंचानी चाहिए। यदि अभिभावक जागरूक होकर बच्चों को संस्कारवान बना दें, तो समाज की नब्बे फीसदी समस्याएं दूर हो जाएंगी।

माता-पिता चाहे कितने भी व्यस्त क्यों न हों, चाहे वे गरीब हों या अमीर, यह माता-पिता की जिम्मेदारी है, कि वे अपने बच्चों के लिए समय निकालें। आज के बच्चे कल देश का उज्ज्वल भविष्य हैं, बच्चों को जितने अच्छे संस्कार मिलेंगे, देश उतना ही बेहतर और मजबूत होगा। माता-पिता की गलती की सजा बच्चों को न भुगतनी पड़े। बच्चे माता-पिता के व्यवहार का अनुकरण करते है, इसलिए माता-पिता का व्यवहार बच्चों के सामने हमेशा अनुकरणीय होना चाहिए, बच्चों को उत्कृष्ट व्यवहार और पोषक वातावरण दें। बच्चों को अच्छे और बुरे के बीच अंतर करना सिखाएं। कमजोरों की मदद करें और महिलाओं का सम्मान करना सिखाएं। माता-पिता अपने बच्चों को पैसा कैसे कमाया जाता है, यह सिखाने से पहले ईमानदारी के साथ सुख से जिंदगी कैसे जी जाती है, यह सिखायें। देश में कल की पीढ़ी का भविष्य आज माता-पिता के हाथ में है, उस पीढ़ी को संस्कारित और सशक्त बनायें। केवल संस्कारित माता-पिता ही संस्कारशील बच्चों का सृजन कर सकते हैं और उन्हें उज्ज्वल भविष्य बनाने के लिए मजबूत बना सकते हैं।

डॉ. प्रितम भि. गेडाम

बाघिन शिकार के 3 आरोपी अरेस्ट
पुलिस और वन विभाग की संयुक्त कारवाई

भंडारा-जिले के तुमसर रेंज में बाघिन को मारने के पश्चात पांच टुकड़े कर फेंकने के मामले में वन विभाग और पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में 24 घंटे के भीतर पचारा गांव से तीन आरोपियों को अरेस्ट किया गया है. पुलिस अधीक्षक नूरुल हसन के निर्देश पर उपविभागीय पुलिस अधिकारी पी. बी. गोफणे और तुमसर के थाना प्रभारी इन्स्पेक्टर मिलींद तायडे की टीम पचारा गांव पहुंची. वन विभाग के स्निफर डॉग टीम की मदद से संयुक्त छानबीन में आरोपी राजू पिरतराम वरकड़े के घर से शिकार में उपयोग किए गए वन्यजीव शिकार से संबंधित कई सबूत मिले, जिनमें जले हुए तार, मृत कुत्ता, बाघिन के बाल और जली हुई हुई घास शामिल थे. वरकड़े के घर से बाघिन के शव को काटने में इस्तेमाल किए गए हथियार बरामद हुए. आरोपी ने पहले जानकारी देने में आनाकानी की, लेकिन पुलिस और वन विभाग की टीम द्वारा विश्वास में लेने पर उसने बाघिन शिकार की बात कबूल की. ज्ञात हो की सोमवार, 6 जनवरी को झंझेरिया कक्ष क्रमांक 74क्क(राखीव वन) में नियमित गश्त के दौरान वनरक्षक के. ए. मांढरे को स्थानीय निवासियों से तीन पुलिया तालाब के पास बाघिन के शव के अवशेष कई हिस्सों में होने की जानकारी मिली. मौके पर जाकर देखा गया तो बाघिन का शव पांच टुकड़ों में कटा हुआ पाया गया. शुरुआती जांच में पता चला कि आरोपियों ने बाघिन का शिकार करने के बाद उसके शव को हथियारों से काटकर जंगल में फेंक दिया था. पूछताछ में वरकडे ने कबूल किया कि उसने अपने दो साथियों, राजेंद्र महादेव कुंजाम और दुर्गेश रतिराम लसुंते के साथ मिलकर यह अपराध किया. यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक नुरुल हसन,उपवनसंरक्षक राहुल गवई, और उपविभागीय पुलिस अधिकारी पी. बी. गोफणे के मार्गदर्शन में की गई. इसमें निरीक्षक मिलींद तायडे, हवलदार जयसिंग लिल्हारे, डिंगम्बर पिपरेवार और वन विभाग के रेंजर रहांगडाले व उनकी टीम ने सहयोग किया.

करना था सूअर का शिकार, लेकिन फंस गई बाघिन

आरोपियों ने बताया कि 2 जनवरी को उन्होंने बाघिन को अपने खेत में लगाए गए बिजली प्रवाह के संपर्क में लाकर मारा. उनका असली मकसद जंगली सूअर का शिकार करना था, लेकिन बाघिन फंस गई. बाघिन की मौत के बाद आरोपियों ने शव को चार हिस्सों में काटकर जंगल में फेंक दिया. वन विभाग ने आरोपियों के खिलाफ वन्यजीव संरक्षण अधिनियम 1972 की धारा 9 के तहत मामला दर्ज किया, 7 जनवरी को आरोपियों को न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उन्हें 11 जनवरी तक वन विभाग की हिरासत में भेज दिया गया.

3 माह से आंगनवाड़ी के दरवाजे पर लटक रहां ताला

आमगांव-बच्चों को आहार सहित बालपन से ही शिक्षा मिले, इसके लिए महिला बाल कल्याण विभाग की ओर से आंगनवाड़ी केंद्र शुरू किए गए हैं। आंगनवाड़ी केंद्र के माध्यम से बच्चों का सर्वांगीण विकास करना ही एकमात्र उद्देश्य है। लेकिन तहसील के कुंभारटोली में स्थित आंगनवाड़ी पिछले 3 माह से बंद होने की बात सामने आ रही है। जिससे बच्चों को ना तो पोषण आहार मिल रहा है और ना ही शिक्षा। प्राप्त जानकारी के अनुसार कुंभारटोली में जिस जगह पर आंगनवाड़ी बनी हुई है, वह निजी जमीन है। हक के विवाद में आंगनवाड़ी को ताला लगा दिया गया है। कुंभारटोली में वर्ष 1994 से आंगनवाड़ी क्रमांक 1 कार्यरत है, जो पिछले दो माह से बंद है। ऐसे में पोषण आहार एवं प्राथमिक शिक्षा का गंभीर सवाल निर्माण हो गया है। बावजूद जनप्रतिनिधि मौन है। ग्रामीणों के अनुसार हक के विवाद में आंगनवाड़ी को बंद रखा गया है। 8 अक्टूबर 2024 को आंगनवाड़ी सेविका पुष्पलता भगत को आंगनवाड़ी में आने पर दरवाजे पर ताला लटका हुआ नजर आया। जिसके बाद इसकी शिकायत प्रशासन से की गई। इस विषय को 3 माह का समय बीत गया है। बावजूद समस्या को हल नहीं किया गया है।

पोवार समाज का मिलन समारोह हुआ
शासकीय कर्मचारियों सेवानिवृत्त वरिष्ठजनों का किया सम्मान

आमगांव-तहसील के ग्राम धामनगांव में पोवार समाज मिलन समारोह आयोजित हुआ. उद्घाटन विधायक संजय पुराम के हस्ते, अखिल भारतीय क्षत्रिय पोवार महासंघ के अध्यक्ष डा. विशाल बिसेन की अध्यक्षता में हुआ. दीप प्रज्वलन सेवानिवृत्त प्राचार्य खुशाल कटरे, इंजि. नरेश गौतम, गोवर्धन बिसेन, ऋषिकेश गौतम, डॉ. हरगोविंद टेंभरे, रोशनकुमार रहांगडाले, पंस सभापति राजेश गौतम, मनोज बोपचे, उपसभापति अनिल बिसेन के हस्ते किया गया. कार्यक्रम में माता गढ़कालिका की पूजा अर्चना कर राजाभोज की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया. कार्यक्रम में गांव के नवनियुक्त शासकीय कर्मचारियों व सेवानिवृत्त वरिष्ठजनों का राजाभोज की प्रतिमा देकर सत्कार किया. साथ ही महासंघ के नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को नियुक्ति पत्र दिए. पोवारी गीत कविता की प्रस्तुति आकर्षण का केंद्र रही. संचालन बीएस सोनवाने ने किया व आभार राहुल ठाकरे ने माना.

इस दौरान समिति अध्यक्ष इंजि. जयप्रकाश पटले, समिति कार्याध्यक्ष गंगाप्रसाद टेंभरे, एचपी पटले, आरपी पटले, टेकचंद टेंभरे, ओमप्रकाश पटले, शामराव ठाकरे, वजीर पटले, छत्रपाल रहांगडाले, रविंद्र ठाकरे, नरेंद्र पटले, ओमप्रकाश सोनवाने, जितेंद्र कटरे, खुमराज रहांगडाले, हार्दिक पटले व समिति पदाधिकारी, सदस्य, समस्त धामनगांव के नागरिकों ने प्रयास किया.

सावित्रीबाई फुले का महिलाओं की शिक्षा में अमूल्य योगदान : रहांगडाले

देवरी-क्रांतिज्योति सावित्रीबाई फुले का महिलाओं की शिक्षा में अमूल्य योगदान है, उक्ताशय के विचार सरिता रहांगडाले ने व्यक्त किए। जिला परिषद हिंदी वरिष्ठ प्राथमिक विद्यालय, खोलगढ़ में क्रांतिज्योति सावित्रीबाई फुले जयंती कार्यक्रम को बालिका दिवस के रूप में उत्साहपूर्वक मनाया गया। इस अवसर पर वे बतौर अध्यक्ष बोल रही थी। कार्यक्रम का उद्घाटन ग्राम खोलगड के सरपंच माणिकप्रसाद कटरे के हाथों किया गया। विशिष्ट अतिथि के रूप में उपसरपंच कार्तिक नाइक, सेंटर प्रमुख शांता पाचे, विशेष अतिथि के रूप में विषय विशेषज्ञ समूह साधन केन्द्र अंकला मने आदि उपस्थित थे। इस मौके पर स्कूली छात्र-छात्राओं के लिए कई प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं, जिसमें निबंध प्रतियोगिता, एकल नृत्य, भाषण प्रतियोगिता, अभिनय के साथ-साथ सावित्रीबाई फुले की जीवनी पर भाषण हुए। जिसमें विद्यार्थियों ने बढ़चढ़कर भाग लेकर अपने सुप्त कला का प्रदर्शन किया। स्कूल की ओर से विशेष कार्य करने वाली महिलाओं व बालिकाओं को पेन व फूलों का गुलदस्ता देकर सम्मानित किया गया। विद्यालय में विभिन्न शैक्षणिक गतिविधियों, उत्कृष्ट एवं गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के लिए विद्यालय के प्राचार्य बी.जी. बुलाखे, सहायक शिक्षक मुकेशकुमार माछिरके, खुमेशप्रसाद कटरे, शुभम चौहान, उषा कटरे के शुद्ध लेखन पर उन्हें पुष्पगुच्छ देकर सत्कार किया गया। संचालन के.एम. कात्रे ने तथा आभार बी.जी. बुलाखे ने माना।

तड़ीपार शहर में घूमते मिला

गोंदिया-शहर थानांतर्गत सिंगलटोली निवासी तड़ीपार अविनाश उर्फ नाम्या शिवसाजन खोब्रागडे शहर में घूमते हुए पुलिस को दिखाई दिया। जानकारी के अनुसार आरोपी को गोंदिया, भंडारा एवं बालाघाट जिले से 3 माह के लिए तड़ीपार किया गया है। इसके बावजूद वह उक्त क्षेत्र में घूमता दिखाई दिया। फरियादी पुलिस हवलदार प्रमोद चव्हाण की रिपोर्ट पर शहर पुलिस ने मामला दर्ज किया है।

पति ने पत्नी को पीटा

गोदिया तिरोड़ा थानांतर्गत निमटोली महात्मा फुले वार्ड में आरोपी हर्ष उर्फ एक्का महेंद्र रामटेके (24) के खिलाफ पुलिस ने पत्नी की पिटाई करने को लेकर मामला दर्ज किया है। जानकारी के अनुसार आरोपी अपनी पत्नी के साथ विवाद कर मारपीट कर रहा था। तब उसकी पत्नी ने इसकी जानकारी सिपाही विक्की आनंदराव धांडे को फोन से दी। इस दौरान पुलिस टीम के साथ घटना स्थल पर पहुंची तो उन्हें देखते ही आरोपी ने हाथ की गुत्ती को फेंक दिया। इतना ही नहीं तो आरोपी पुलिस के साथ भी विवाद करने लगा। यह घटना 5 जनवरी को घटी। तिरोड़ा पुलिस ने मामला दर्ज किया है।

जिले के नवनियुक्त नियत 4 सहायक सरकारी अधिवक्ताओं का सत्कार किया
न्याय वितरण प्रणाली में अधिवक्ताओं की भूमिका महत्वपूर्ण : न्या. वानखेड़े

गोंदिया-गृह विभाग महाराष्ट्र शासन एवं संचालक अभियोग संचालनालय मुंबई के आदेश पर सहायक संचालक व सरकारी वकील गोंदिया अंतर्गत जिले के प्रथम श्रेणी न्याय दंडाधिकारी न्यायालय में शासन की ओर से कामकाज देखने के लिए महाराष्ट्र लोकसेवा आयोग की सिफारिश पर प्रणिता वसंतराव जोशी, रंजिता राजेंद्रकुमार शुक्ला, आशा तेजराम भाजीपाले एवं अभिलाष गोविंद येड़े की सहायक सरकारी अभियोक्ता पद पर नियुक्ति की गई है। नवनियुक्त सहायक सरकारी अधिवक्ताओं का सहायक संचालक एवं सरकारी अभियोक्ता कार्यालय में स्वागत किया गया। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रमुख जिला व सत्र न्यायाधीश ए.टी. वानखेड़े ने की। प्रमुख अतिथि के रूप में पुलिस अधीक्षक गोरख भामरे उपस्थित थे। प्रमुख जिला व सत्र न्यायाधीश ए.टी. वानखेड़े ने अपने अध्यक्षीय संबोधन में कहा कि अधिवक्ता फौजदारी न्याय वितरण प्रणाली का एक हिस्सा है। उन्हें कानून का पालन करते हुए न्याय व्यवस्था स्थापित करने की प्रक्रिया में अपने कैडर को न्याय देने का प्रयत्न करना चाहिए। पुलिस अधीक्षक गोरख भामरे ने कहा कि न्यायदान की प्रक्रिया में न्यायालय एवं पुलिस के साथ अधिवक्ता भी महत्व का घटक होता है। उन्हें जिम्मेदारी से अपने कर्तव्य का पालन करना चाहिए। कार्यक्रम में सहायक संचालक एवं सरकारी अभियोक्ता सतीशकुमार घोडे ने कहा कि शासन की ओर से न्यायालय में कामकाज देखने का सुनहरा अवसर अधिवक्ताओं को मिलता है। इस अवसर का उन्हें लाभ उठाकर न्याय दिलाने का प्रयास करना चाहिए।

डामर की सड़क पर सीमेंटीकरण
गोरेगांव-ठाना मार्ग निर्माण को लेकर ग्रामीणों में नाराजगी

गोरे गांव-गोरे गांव-ठाना सड़क निर्माण पर एक बार फिर सवाल खड़े हो रहे हैं. इन दिनों ग्राम बोटे में सीमेंटीकरण कार्य शुरू है, लेकिन पुराने डामरीकरण पर ही यह किया जा रहा है इससे गुणवत्ता को लेकर नाराजगी लाजिमी हैं. सार्वजनिक बांधकाम विभाग को इस विषय पर ध्यान देने की आवश्यकता है. जानकारी के अनुसार गोरेगांव शहर से ठाना मार्ग बड़े जद्दोजहद के बाद मंजूर किया गया है. सार्वजनिक बांधकाम विभाग के तहत यह सड़क निर्माण तीन चरण में किया जा रहा है. जिसमें तीन ठेकेदार शामिल हैं. कार्य नियोजन अनुसार इस मार्ग पर आने वाले ग्रामों की सीमा में सीमेंटीकरण सड़क बनना है. ऐसे में ग्राम बोटें में यह कार्य चल रहा है, लेकिन अधिक पैसा बचाने के चक्कर में कार्य घटिया दर्जे से हो रहा है.यहां पुराने डामरीकरण सड़क पर ही सीमेंट का बेस डाला जा रहा है. ऐसे में सड़क के मजबूतीकरण पर सवालिया निशान लगा हुआ है. हादसे में मौत के बाद सड़क निर्माण की मंजूरी मिली थी उल्लेखनीय यह है कि हाल ही में बोटे ग्राम के इसी मार्ग पर बदहाल सड़क के चलते एक छात्र की दुर्घटना में मौत हो गई थी जिसमें काफी हंगामा हुआ था उसके बाद ही इस मार्ग का सड़क निर्माण मंजूर किया गया था. ऐसे में बोटे वासियों के नजरिए से यह सड़क काफी महत्वपूर्ण है. जिस कारण सड़क निर्माण में मजबूतीकरण बेहद जरूरी है. जिस पर संबंधित विभाग को विशेष तौर पर ध्यान देने की आवश्यकता है, लेकिन यहां स्थिति विपरीत है. निर्माण कार्य में लगातार अनदेखी हो रही है. संबंधित अभियंता का ध्यान निर्माण कार्य पर नहीं है, ऐसे में इस निर्माण कार्य को लेकर ग्रामीणों में असंतोष व्याप्त है.

गुजराती स्कूल में फन फेयर का आयोजन

गोंदिया -गुजराती राष्ट्रीय माध्यमिक स्कूल में आनंद मेले (फन फेयर) का आयोजन किया गया. कार्यक्रम का उद्घाटन गोंदिया एजुकेशन सोसायटी अध्यक्ष वर्षा पटेल ने किया. कार्यक्रम में विशेष अतिथि के रुप में उपस्थित वीणाबेन पटेल का स्वागत संस्था सहसचिव चंद्रेशभाई माधवानी ने किया. आनंद मेले में 40 स्टॉल आकर्षण का केंद्र रहे. मेले में संस्था सहसचिव विजय कुमार जोशी, चंद्रेश माधवानी, सदस्य उमंग भाई पटेल, विपुल भाई पलन, विनय भाई पटेल, पूजाबेन शाह का सराहनीय योगदान रहा. सभी ने वर्षाबेन पटेल के साथ प्रत्येक स्टाल पर जाकर छात्रों का हौसला बढ़ाया तथा मेले का आनंद उठाया. संस्था अध्यक्ष प्रफुल्ल पटेल व सभी पदाधिकारियों ने बच्चों को शुभकामनाएं दी. संचालन शिक्षिका कल्पना तंबोली ने किया.

मिक्स बॉक्सिंग में जिले के खिलाड़ियों ने मारी बाजी

गोंदिया-छत्तीसगढ़ के रायपुर के बालाजी विद्या मंदिर, देवेंद्र नगर में हुए मिक्स बॉक्सिंग नेशनल चैंपियनशिप में गोंदिया जिले के खिलाड़ियों ने बाजी मारी। सफलता प्राप्त करने वाले खिलाड़ियों में राशि पटले, रितिक जगने, तनुष पटले, रजनीश पुरी बैकुंठी, श्रेयेश नकाडे, अभय बैस, मनस्वी मेश्राम, श्रुति गणवीर, पूनम बोहरे, गुंजन गायधने, ससुर कुरवे, ओम कावडे, सूर्या सिलारे, भावेश गायधने, मुकुंद फुडे, रेहान रहांगडाले, प्रशांत बहेकार, सम्राट मेश्राम का समावेश है। इस दौरान चौरागड़े को फिल्म अभिनेता डॉ. सुमन तलवार के हस्ते से ट्रॉफी प्रदान कर सम्मानित किया गया। महाराष्ट्र के वाइस प्रेसिडेंट राजू पी. चोरागड़े के मार्गदर्शन में रवाना हुई थी। कोच के रूप में मालती लिल्हारे, सहायक कोच लियोज (लक्की) चौरागड़े थे। सभी खिलाड़ियों को रोशन जयसवाल, सचिन शिंडे, कशिश जयसवाल, बेबी अग्रवाल, पंकज यादव, डॉ. नेहवील ब्राह्मणकर, सध्या राव, अशोक चौधरी, नीलेश जैन, भाउराव भस्में, सुनील चामट, अशोक बरईकर, मुकेश अग्रवाल ने बधाई दी। खिलाड़ियों ने अपनी जीत का श्रेय अपने माता, पिता, राजू चौरागडे, मुख्य कोच को दिया है।

महावीर मारवाड़ी स्कूल में हुआ वार्षिक महोत्सव

गोंदिया-महावीर मारवाड़ी हाईस्कूल व जूनियर कॉलेज ऑफ साइंस में परंपरा हमारे संस्कारों का जीवंत उत्सव आधारित वार्षिक उत्सव आयोजित किया गया. सर्वप्रथम मां सरस्वती और हनुमानजी की स्तुति की गई. कार्यक्रम के प्रमुख अतिथि दिनेश दादरीवाल, महेश कोठारी, शंकर अग्रवाल, महेश अग्रवाल, जयंत अग्रवाल, शैलेश टेकरीवाल उपस्थित थे.

दिनेश दादरीवाल ने शिक्षा में अनिवार्य रूप से कौशल्य विकास को समाविष्ट करने का सुझाव दिया. महेश कोठारी ने शिक्षा का प्रमुख धेय्य अपनी पूर्ण क्षमताओं के साथ कार्य करने की विद्यार्थिओं को सीख दी. संस्था सचिव प्रकाश कोठारी ने स्कूल और जूनियर कॉलेज की उपलब्धिओं पर प्रकाश डाला. सोसायटी अध्यक्ष सीताराम अग्रवाल ने भी संबोधित किया. इस अवसर पर संस्था उपाध्यक्ष पं. दिनेश बिहारीलाल शर्मा, कोषाध्यक्ष वेदप्रकाश अग्रवाल, सहसचिव श्रीनिवास मूंदड़ा, अजय खंडेलवाल, सुरेश लोहिया, अशोक शर्मा, दिनेश जयपुरिया, राजेश अग्रवाल, रमाकांत अग्रवाल, सुशील सिंघानिया, दिलीप अग्रवाल, दिनेश अग्रवाल, अमित खंडेलवाल, राहुल सिंघानिया, अमित लेकरिया, आशीष खजांची, गणेश ईसरका, जयंत अग्रवाल, विजय अग्रवाल, मुस्कान ईसरका, प्रधानाध्यापक अभिषेक अग्रवाल, पंकज अग्रवाल, पंकज शर्मा, अर्चना अग्रवाल तथा अन्य गणमान्य अतिथि उपस्थित थे.

गांजा तस्करी के 2 आरोपी अब भी फरार

गोंदिया -पुलिस ने राष्ट्रीय राजमार्ग पर एक वाहन से 126.14 किलोग्राम गांजा जब्त किया था. इस मामले में छह लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया था. इनमें से दो आरोपी अभी भी फरार हैं. देवरी तहसील के राष्ट्रीय राजमार्ग क्र. 53 रायपुर से नागपुर मार्ग पर स्थित शिरपुर में पुलिस कर्मचारियों ने नाकाबंदी दौरान वाहन क्र. आरजे 8 - टीए 836 का निरीक्षण किया. तब गाड़ी की पिछली डिक्की में काले, सफेद और खाकी रंग के पैकेट में गांजा मिला. आरोपियों को पुलिस ने अवैध रूप से गांजा परिवहन करते हुए पकड़ा था. वाहन में 126.14 किलोग्राम गीला गांजा मिला. जब्त गांजे की कीमत 18 लाख 92 हजार 100 रु. है. इस कार्रवाई में चार आरोपियों को गिरफ्तार किया गया था. लेकिन ओडीसा राज्य के गोईकानिपाड़ा निवासी प्रेमानंद कुमुद मेहर (31) और टोंक जिले के दुनी/देवली निवासी रतनलाल गोपीलाल गुर्जर (38) घटना दिनांक से अभी भी फरार हैं. आरोपी दिखाई देने पर देवरी पुलिस को संपर्क करें, ऐसी अपील देवरी पुलिस ने की है.

विविध रसभरी कविताओं से भिन्न भाषी साहित्य मंडल ने किया नववर्ष का अभिनन्दन
कवि मनोज बोरकर मुसव्विर का जन्म दिन मनाया

गोंदिया-गोंदिया शहर मे अबाध गति से प्रतिमाह आयोजित की जा रही मासिक कवि गोष्ठी की श्रंखला में नगर की सबसे पुरानी साहित्यिक संस्था भिन्न भाषी साहित्य मंडल गोंदिया ने नववर्ष 2025 का स्वागत दि. 5 जनवरी 2025 रविवार को ओबीसी रेलवे कर्मचारी असोसिएशन कार्यालय, रेलवे दवाखाना के समीप, में विविध रसों से युक्त कविताओं के माध्यम से इस वर्ष की प्रथम मासिक कवि गोष्ठी का आयोजन कर किया। कवि गोष्ठी में सभी कवियों ने एक से बढ़कर एक रचनाओं की प्रस्तुति से वातावरण को आनंदित कर दिया। अध्यक्षीय स्थान पर श्री राजस्थानी ब्राह्मण समाज के प्रमुख पं. बजरंग लाल शर्मा उपस्थित थे। बतौर मुख्य अतिथि वरिष्ठ कवि एवं पत्रकार श्री माणिक गेडाम, प्रसिद्ध गीतकार श्री प्रदीप दर्शन झालीवाड़ा (वारासिवनी) वरिष्ठ कवि एवं वक्ता श्री रमेश शर्मा, मंच संचालक श्री छगन पंचे छगन% एवं कवि गोष्ठी के प्रभारी संयोजक श्री मनोज बोरकर मुसव्विर मंच पर विराजमान थे।अतिथियों द्वारा माँ सरस्वती के तैलचित्र के पूजनोपरान्त अतिथि स्वागत किया गया। संस्था के क्रियाशील सदस्य एवं शहर के जाने पहचाने कुशल हास्य व्यंग्य कवि, पेशे से चित्रकार श्री मनोज बोरकर मुसव्विर के जन्मदिन पर उनके परिवार जनों की विशेष उपस्थिति में केक काटकर एवं अतिथियों एवं कवि मित्रों द्वारा पुष्पगुच्छ प्रदान कर उन्हें शुभकामनाएँ एवं बधाई दी गई। वरिष्ठों ने उन्हें स्वस्थ जीवन एवं निरंतर प्रगति का आशीष दिया। इस अवसर पर हाल ही में आगरा उत्तर प्रदेश की संस्था दीनदयाल उपाध्याय हिन्दी विद्यापीठ द्वारा पीएचडी की मानद उपाधि से सम्मानित कवियत्री श्रीमती किंजल मेहता, एवं कवि श्री नरेश आर गुप्ता तथा नवोदय पब्लिकेशन उत्तर प्रदेश की ओर से आयोजित साहित्यकार सम्मेलन में महाकवि सूरदास सम्मान से सम्मानित कवि श्री संतोष सिंह नैकाने का विशेष सम्मान किया गया। काव्य गोष्ठी का आगाज श्रीमती किंजल मेहता द्वारा माँ सरस्वती की वंदना से हुआ। जिसमें पहली बार सहभागी हुए श्री संजय बिसेन, श्री पंकज अग्रवाल, श्री के. डी. अरोरा का मंडल के संयोजक श्री शशि तिवारी ने पुष्प गुच्छ से अभिनंदन किया। तीनो नवागत कवियों ने अपनी सरस कविताओं से आयोजन को गौरवान्वित किया। गीतकार श्री प्रदीप दर्शन ने अपने गीतों से लाजवाब समा बांथा इनके अलावा नगर के जाने पहचाने कवियों में सर्वश्री चन्द्रप्रकाश बनकर, किशनलाल सिंह गुरु, सुरेन्द्र जगने, श्रीमती शालू कृपाले,श्रीमती किंजल मेहता, मनोज बोरकर मुसव्विर, युवराज गंगाराम, निखिलेशसिंह यादव,सुरेश बंजारा, माणिक गेडाम, प्रकाश मिश्रा, रमेश शर्मा, छगन पंचे छगन% एवंम शशि तिवारी ने अपनी काव्य प्रस्तुति से गोष्ठी को चिरस्मरणीय गरिमा प्रदान की। श्री कमल कटारे ने मनोज बोरकर मुसव्विर की ग़ज़ल को सुमधुर स्वरों में सुनाकर सभी का दिल जीत लिया। गोष्ठी का अपने विशेष अंदाज में संचालन वरिष्ठ कवि श्री छगन पंचे छगन% ने एवं प्रास्ताविक संचालन श्री शशि तिवारी ने किया। कवि गोष्ठी के अंत में संस्था के सह सचिव श्री निखिलेशसिंह यादव के पूज्य पिताश्री शिवनाथ सिंह यादव के हाल ही मे देहावसान पर सभी ने दो मिनट का मौन रख उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की एवं यादव परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त की।श्री बजरंग लाल शर्मा ने अध्यक्षीय सम्बोधन में भिन्न भाषी साहित्य मंडल के कार्यक्रमों में नये जुड़ते जा रहे रचनाकारों पर इसे संस्था के लिए लाभदायक निरूपित किया एवं मनोज मुसव्विर के प्रभारी संयोजन मे आयोजन की सफलता पर उन्हें बधाई दी। सचिव मनोज लक्ष्मीनारायण जोशी ने आभार व्यक्त करते हुए सभी से निरंतर सहयोग बनाये रखने की अभिलाषा व्यक्त की ।गोष्ठी में श्री ओमप्रकाश शर्मा चुलेट,पं. अशोक शुक्ला, कैलाश भादुपोते, श्रीमती उर्मिला पंचे, सहित काव्य प्रेमी बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

सुपरफास्ट के साथ इंटरसिटी ट्रेन का भी स्टॉपेज दिया जाए, सांसद किरसान ने की डीआरएम से चर्चा

सालेकसा -सालेकसा रेलवे स्टेशन पर केवल चुनिंदा ट्रेनों को ही रोका जाता है। इससे नागपुर या रायपुर जाने वाले यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ता है। सांसद नामदेव किरसान ने सालेकसा रेलवे स्टेशन पर अन्य सुपरफास्ट ट्रेनों के साथ इंटरसिटी ट्रेन का भी स्टॉपेज देने की मांग संबंधित विभाग से की। यात्रियों की सुविधा के लिए किरसान ने नागपुर मंडल रेल प्रबंधक से मुलाकात कर चर्चा की। इस बीच डी.आर.एम नागपुर ने समस्या हल करने का आश्वासन दिया। सालेकसा तहसील नक्सल प्रभावित और अति संवेदनशील क्षेत्र है और इस क्षेत्र में आदिवासियों की बड़ी संख्या है। सालेकसा रेलवे स्टेशन नागपुर-रायपुर रेलवे पर है। लेकिन इस स्थान पर कुछ ही ट्रेनें रुकने के कारण यात्रियों को लोकल ट्रेनों से ही यात्रा करनी पड़ती है। इससे यात्रियों को काफी परेशानी उठानी पड़ रही है। इस बीच, सालेकसा शहर कांग्रेस की ओर से सांसद नामदेवराव किरसान को निवेदन सौंपकर मांग की कि सालेकसा रेलवे स्टेशन पर अन्य सुपरफास्ट ट्रेनों का भी स्टॉपेज दिया जाना चाहिए। इस बीच सांसद ने समस्या को गंभीरता से लेते हुए नागपुर मंडल के रेल प्रबंधक से मुलाकात की और इस विषय पर चर्चा की। यात्रियों की सुविधा के लिए सालेकसा रेलवे स्टेशन पर इंटरसिटी ट्रेन और अन्य सुपरफास्ट ट्रेनों का स्टॉपेज देने की चर्चा भी डीआरएम से की। जिस पर डीआरएम ने समस्या को हल करने का आश्वासन दिया। प्रतिनिधि मंडल में निर्दोष साखरे, लता फुंडे, वंदना मेश्राम, कविता शेंडे, विजय फुंडे, विनोद मडावी, आशुतोष असाटी, कैलाश गजभिये, राजकुमार मेश्राम, अमोल शहारे, रवींद्र चुटे, मनोज भांडारकर, टीकाराम ब्राह्मणकर, देवराज शिवनकर, शोभाराम सहारे, अमीर अली, विनायक साखरे एवं अन्य कार्यकर्ता का समावेश है।

खेत में छुपाया गया महुआ ढूंढकर किया नष्ट

गोरेगांव -गोरेगांव थानांतर्गत ग्राम गोंडी-तिमेझरी में गांव की नारी शक्ति शराबबंदी महिला समिति की महिलाओं ने महुआ शराब बनाने के लिए खेत में जमा करके रखी गई महुआ फूल की कच्ची सामग्री को पुलिस की मौजूदगी में नष्ट कर दिया. यह कार्रवाई 6 जनवरी को की गई. जानकारी के अनुसार ग्राम गोंडी-तिमेझरी के बांध तालाव की नहर व खेत परिसर में महुआ शराब बनाने के लिए महुआ फूल तथा सामग्री छिपाकर रखी गई थी. इसे ग्रामीण स्थानीय भाषा में महुआ फूल का गोडा कहते हैं. इसकी सूचना नारी शक्ति शराबबंदी महिला समिति व ग्रामीणों को मिलने के बाद खेत में दबिश दी गई. मौके पर ही कच्चा महुआ, शराब बनाने के लिए प्रयुक्त होने वाली सामग्री नष्ट की गई. यह कार्रवाई गोरेगांव पुलिस थाने के पुलिस अधिकारी, कर्मचारी, पुलिस पटेल, सरपंच तथा शराबबंदी महिला समिति के पदाधिकारियों के समक्ष की गई. उल्लेखनीय है कि गांव की महिलाएं अवैध शराब बिक्री को लेकर लगातार मुस्तैद हैं. इससे पूर्व भी कार्रवाई की गई थी, लेकिन अवैध शराब विक्रेता कार्रवाई से नहीं डर रहे हैं.

पुरानी पेंशन के लिए प्रयास करेंगे : बडोले

अर्जुनी मोरगांव-जिला परिषद व शासकीय कर्मचारी सहकारी पतसंस्था भंडारा गोंदिया शाखा कोहमारा द्वारा पतसंस्था की मृत्यु निधि योजना के तहत मृत सदस्यों के व के वारिसों को दो लाख रुपए का चेक वितरित किया गया विधायक राजकुमार बडोले का अभिनंदन किया गया. कार्यक्रम पंतसंस्था के अध्यक्ष संजीव बावनकर के मार्गदर्शन व अध्यक्ष कैलास हांडगे के नेतृत्व में हुआ. इस अवसर पर जिला परिषद सदस्य लायकराम भेंडारकर, मुख्य अतिथि समूह शिक्षा अधिकारी बागड़े, पंचायत समिति उपाध्यक्ष राजेश कठाने, संचालक विजय डोये, विनोद चौधरी, जिला अध्यक्ष किशोर बावनकर, पूर्व संचालक योगेश्वर मंगलमारे, शिक्षकगण एसोसिएशन के वरिष्ठ नेता अरविंद नाकाड़े, सहकारी समिति के जिला सचिव लखेश्वर लांजे मुख्य रूप से उपस्थित थे. विधायक बडोले ने कहा कि शिक्षकों व कर्मियों की पुरानी पेंशन का मुद्दा सदन में उठाया जाएगा. इस अवसर पर शिक्षक संघ के पदाधिकारी कीर्तिवर्धन मेश्राम, टीकाराम मतवारे, किशोर लांजे, सुरेश आमले, दयाराम लांजे, प्रशांत चव्हाण, सोमेश्वर मेश्राम, शरद लांजे, विकास नाकाडे और सुभाष सिंदीमेश्राम उपस्थित थे. संचालन रमेश संग्रामे ने किया व आभार संचालक विजय डोये ने माना. सफलतार्थ क्रेडिट संस्था के प्रधान प्रबंधक विलास फाटे, शाखा प्रबंधक संदीप तिवाड़े, शाखा प्रबंधक चंद्रकांत तागड़े, अमोल ठाकरे, मयूर डोये, निखिल काले, ललित मुंगमोड़े, देवनाथ नागपुरे ने प्रयास किया.

विकास कार्यों के मुद्दों को लेकर सांसद पटेल से मिले विधायक बडोले

» किसानों को सिंचाई के लिए मिले 12 घंटे बिजली

अर्जुनी मोरगांव -अर्जुनी मोरगांव विधानसभा क्षेत्र के विधायक राजकुमार बडोले ने 7 जनवरी को मुंबई में राकांपा के राष्ट्रीय कार्याध्यक्ष सांसद प्रफुल्ल पटेल से मिलकर विविध विकास कार्यों के विषय में चर्चा की। इस चर्चा के दौरान मुख्य रूप से जिले में रोजगार निर्मिति क्षेत्र की सिंचाई योजनाओं पर्यटन विकास एवं किसानों को कम से कम 12 घंटे प्रतिदिन बिजली की आपूर्ति आदि महत्व के विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। गोंदिया जिले में अर्जुनी मोरगांव विधानसभा क्षेत्र सहित अनेक स्थानों पर प्राकृतिक पर्यटन स्थल एवं धार्मिक स्थल हैं। नवेगांवबांध राष्ट्रीय उद्यान, इटियाडोह प्रकल्प, प्रतापगढ़ के साथ ही तिब्बती कैम्प जैसे पर्यटन स्थल भी इसमें शामिल हैं। इन स्थलों का यदि तेजी से विकास किया गया तो सुशिक्षित बेरोजगारों को रोजगार के अवसर उपलब्ध हो सकते हैं। जिले में किसानों की संख्या बहुत अधिक है। इटियाडोह बांध, नवेगांवबांध जलाशय सिंचाई के बड़े स्त्रोत है। इटियाडोह बांध पर झासीनगर लिफ्ट सिंचाई योजना को जल्द से जल्द क्रियान्वित किया गया तो अनेक किसानों की सिंचाई की समस्या हल हो सकती है। क्षेत्र में बिजली की समस्या गंभीर है। क्षेत्र के किसान खेती से वर्ष में अलग-अलग फसले लेते है। इसके कारण सिंचाई के लिए बिजली की शेष बिजली की अत्यंत आवश्यकता होती है। इन बातों से विधायक बडोले ने पटेल को अवगत कराया। सांसद पटेल ने सभी विषयों पर सरकार से चर्चा कर संयुक्त बैठक आयोजित कर सभी विषयों का समाधान निकालने का आश्वासन दिया।

पूर्व विधायक जैन व नवनिर्वाचित विधायक रहांगडाले का सत्कार

राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी एकोडी जिला परिषद का कार्यक्रम आयोजित

गोंदिया-विधानसभा 2024 के चुनाव में सांसद प्रफुल पटेल के नेतृत्व में तिरोड़ा विधानसभा क्षेत्र में महायुती ने प्रचंड बहुमत से सफलता प्राप्त की. इस उपलक्ष्य में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी एकोडी जिला परिषद क्षेत्र द्वारा राजेश कटरे के निवास में आयोजित कार्यक्रम में चुनाव में विजय के शिल्पकार पूर्व विधायक राजेंद्र जैन व नवनिर्वाचित विधायक विजय रहांगडाले का सत्कार किया गया. राजेंद्र जैन ने कहा कि किसानों को बोनस, लाड़ली बहन योजना, छत्राओं को नि:शुल्क उच्च शिक्षण, नि:शुल्क तीन सिलेंडर योजना, बलीराजा नि:शुल्क बिजली योजना जैसे विविध योजनाओं के माध्यम से सरकार ने प्रगति व उन्नत कार्य किए. जिससे जनता ने महायुती को फिर से जनआशीर्वाद दिया है. इस

अवसर पर विनोद हरीणखेडे, प्रिया हरिणखेडे, राजेश कटरे, अश्विनी रविकुमार पटले, अजाबराव रिनायत, डा. वसंत भगत, डा. किशोर पारधी, प्रकाश पटले, रवि पटले, द्वारका साठवणे, संगीता पताहे, हीरामन मसराम, कृष्णकुमार पटले, हितेश पताहे, संतोष रीनायत, मीनाक्षी कटरे, सेविका आगाशे, शुभम बोदेले, लक्ष्मी उपवंशी, शांतनू पारधी, तिजेश पटले, रामु पंधरे, सुरेश बिरणवार, प्रल्हाद कुसरा, आशा बाडने, पूजा कोडापे, विद्यकला सोनवाणे, दुर्गा तुमसरे, पप्पू पटले, बेलाताई उईके, खुमेश तुरकर, राजेश पाटिल, हीरालाल मोहारे, गोविंद लीचडे, रघुवीर उईके, रंजीत टेंभरे, संजय बावनकर, विश्वास रहांगडाले, सदाराम बावनकर, धर्मेंद्र कनोजे, मेगनाथ शरणागत, राजेश सरोदे, देवलाल टेंभरे, लंकेश पटले, मोनुभाई शेख, लोकेश नागभिरे, जितेश सोलंकी, मोनिष बावनकर, रविंद्र किसाने, धर्मसिंह टेकाम, छगन दियारी, रफिकभाई पठान, राजकुमार टालटे, मंगल जगणीत, हंसराज मदनकर, आदि पदाधिकारी व कार्यकर्ता उपस्थित थे.

जिला सत्र न्यायाधीस आर.जी. अस्मर सम्मानित

भंडारा-शहीद डॉ. नरेंद्र दाभोलकर प्रणीत महाराष्ट्र अंधश्रद्धा निर्मूलन समिति की ओर से सोमवार, 6 जनवरी को न्यायायल में पहुंचकर प्रमुख जिला व सत्र न्यायाधीश आर.जी. अस्मर को सम्मानित किया गया। भारतीय संविधान के अमृत महोत्सव अवसर पर महाराष्ट्र अंधश्रद्धा निर्मूलन समिति के संविधान दायित्व महोत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया। इस कार्यक्रम के तहत प्रमुख जिला व सत्र न्यायाधीश आर.जी. अस्मर को भारतीय संविधान, महाराष्ट्र अंधश्रद्धा निर्मूलन समिति अंक, पुष्पगुच्छ देकर सम्मानित किया गया। इस समय अंधश्रद्धा निर्मूलन समिति बुवाबाजी विभाग के राज्यसहकार्यवाह विष्णुदास लोणारे, अध्यक्ष हर्षल मेश्राम, चंद्रशेखर भिवगडे, एड. कैलास भुरे, डॉ. नरहरी नागलवाडे, नितीन बोरकर, प्रा. युवराज खोब्रागडे, लक्ष्मिकांत मल्लानी, पुरुषोत्तम गायधने उपस्थित थे।

बाबा के विचार और उनकी अदृश्य शक्ति सभी के मन में है : अग्रवाल

पूज्य परमात्मा एक सेवक मंडल के सेवक सम्मेलन में रखे विचार

गोंदिया -बाबा के विचार, दिखाया गया मार्ग व उनकी अदृश्य शक्ति सभी के मन में है। महान त्यागी बाबा जुमदेवजी के विचारों व उनके बताए हुए मार्गों पर चलते हुए उनके आदशों को अपने जीवन में आत्मसात करें, यह उद्गार विधायक विनोद अग्रवाल ने व्यक्त किए। वे पूज्य परमात्मा एक सेवक मंडल द्वारा रविवार, 5 जनवरी को गोंदिया के इंदिरा गांधी स्टेडियम में आयोजित भव्य सेवक सम्मेलन में बोल रहे थे। सेवक सम्मेलन का उद्घाटन दीप प्रज्ज्वलन व स्वागत समारोह भगवान बाबा हनुमानजी व महान त्यागी बाबा जुमदेवजी व मातोश्री आई की प्रतिमा को माल्यार्पण कर किया गया। यह भव्य सेवक सम्मेलन प्रेरणास्त्रोत मानव धर्म के संस्थापक महान त्यागी बाबा जुमदेवजी के बताए अनुसार जनजागृति हेतु, परमात्मा एक सेवक मंडल, नागपुर के सौजन्य से गोंदिया शाखा के अंतर्गत संपूर्ण मार्गदर्शक व सेवक-

सेविकाओं के सहकार्यों से इंदिरा गांधी स्टेडियम गोंदिया में हजारों कि संख्या में शामिल सेवक सेविकाओं के सानिध्य में संपन्न हुआ। इस समय मंच पर कार्यक्रम के अध्यक्ष के रूप में राजू मदनकर, उद्घाटक विठ्ठल क्षिरसागर, आयोजक मार्गदर्शक सूरजलाल अंबुले, सभी परमात्मा एक सेवक मंडल नागपुर व गोरेलाल कुसराम मार्गदर्शक गोंदिया शाखा, विनोद कुसराम गोंदिया तथा प्रमुख अतिथि विधायक विनोद अग्रवाल, नानू मुदलियार व परम पूज्य परमात्मा एक सेवक मंडल के समस्त पदाधिकारी उपस्थित थे। संचालन रवि कडव व डा. सुरेंद्र पारधी ने किया।

ग्रामीणों ने किया शिक्षक सरपाते का सम्मान

लाखांदूर -ग्रामीण परिसर के छात्रों के लिए नियमित ज्ञानार्जन के साथ ही विभिन्न स्पर्धा परीक्षाओं, क्रीड़ा स्पर्धा में प्रवीणता के लिए प्रयासरत रहने वाले शिक्षक का ग्रामीणों ने सम्मान किया। यह समारोह 7 जनवरी को डांभविरली में आयोजित किया गया। सुनील महादेव सरपाते प्रगतिशील शिक्षक का नाम है। स्मृतिचिन्ह, शाल एवं श्रीफल देकर उनका सम्मान किया गया। कार्यक्रम में यशवंतराव चव्हाण महाविद्यालय के उप प्राचार्य पुरुषोत्तम ठाकरे, पंचायत समिति सदस्य मंगेश राऊत, पूर्व उप सभापति शिवाजी देशकर, नूतन कांबले, दिलीप ब्राम्हणकर, सरपंच तुलशीदास बुरडे, सरपंच सुंदरा बुराडे उपस्थित थे।

करंट लगने से एक की मौत

गोंदिया-आमगांव थानांतर्गत रिसामा निवासी देवेंद्र भोजराज रामटेके (45) अपने घर में कम्प्यूटर दुरुस्त कर रहा था। इस दौरान उसे अचानक करंट लगने से उसकी मौत हो गई। यह घटना 5 जनवरी को घटी। फरियादी राजेंद्र भोजराज रामटेके (51) की रिपोर्ट पर आमगांव पुलिस ने आकस्मिक मृत्यु का मामला दर्ज किया है।

ग्रापं कर्मचारियों का आंदोलन शुरू-ग्रामीण क्षेत्र के कामकाज होंगे प्रभावित

गोंदिया-गोरेगांव तहसील की ग्राम पंचायतों कर्मचारियों ने पंचायत समिति के गुट विकास अधिकारी व विस्तार अधिकारी के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है. खातों में जमा की गई सुधारित वेतन वृद्धि राशि में गड़बड़ी को लेकर पंचायत कर्मचारियों ने पंचायत समिति के सामने बेमियादी अनशन शुरू कर दिया. कर्मचारियों द्वारा यह आंदोलन ग्राम पंचायत कर्मचारी यूनियन के नेतृत्व में किया जा रहा है. पदाधिकारियों का कहना है कि प्रतिनिधि मंडल की मांग पर गुट विकास अधिकारी, विस्तार अधिकारी ने ध्यान नहीं दिया और मनमर्जी से सुधारित वेतन वृद्धि राशि कर्मचारियों के बैंक खाते में जमा की गई. ग्राम पंचायत कर्मचारियों को सुधारित वेतन वृद्धि की सितंबर 2020 से मई 2021 तक के नौ महीने की राशि जिला परिषद द्वारा पंचायत समिति को दी गई थी. वेतन वृद्धि की राशि वितरण के विषय में मार्गदर्शक सूचना पुणे पंचायत राज विभाग के राज्य व्यवस्थापन कक्ष ने दी थी. पंचायत समिति ने (ईआरपी) कम्प्यूटरीकरण प्रणाली की जांच मर्जीनुसार की. ग्रपं कर्मचारियों के बैंक खाते में जमा की गई निधि में गड़बड़ी का आरोप है. इस बीच यूनियन ने आपत्ति जताई. गुट विकास अधिकारी, विस्तार अधिकारी से चर्चा कर ईआरपी अनुसार राशि देने की मांग की गई, लेकिन इस ओर ध्यान नहीं दिया गया. इसके बाद जिला परिषद के उपमुख्य कार्यपालन अधिकारी को यूनियन द्वारा ज्ञापन सौंपा है. महाराष्ट्र राज्य ग्राम पंचायत कर्मचारी यूनियन के जिला सचिव छगन अग्रेल ने बताया कि इस दौरान अधिकारियों को बुलाकर चर्चा करने का आग्रह किया था. उपमुख्य कार्यपालन अधिकारी को यूनियन द्वारा ज्ञापन सौंपा है. महाराष्ट्र राज्य ग्राम पंचायत कर्मचारी यूनियन के जिला सचिव छगन अग्रेल ने बताया कि इस दौरान अधिकारियों को बुलाकर चर्चा करने का आग्रह किया था. उपमुख्य कार्यपालन अधिकारी ने गुट विकास अधिकारी, विस्तार अधिकारी को बुलाकर यूनियन के समक्ष चर्चा करने के दिशा-निर्देश और राशि वितरण के आदेश दिए. लेकिन अधिकारियों ने ने निर्देशों का पालन नहीं किया. परिणामस्वरूप अब यूनियन ने काम बंद आंदोलन शुरू कर दिया. इस दौरान महाराष्ट्र राज्य ग्राम पंचायत कर्मचारी यूनियन तहसील अध्यक्ष धर्मराज कालसर्पे, मार्गदर्शक प्रकाश रंगारी, उपाध्यक्ष माधव सेऊतकर, कोषाध्यक्ष नीलकंठ कोल्हटकर, सहसचिव खेमराज खांडवाये, संगठक सुनील शहारे, महिला प्रतिनिधि तारा परसमोडे, रेखा लांजेवार, सदस्य चंद्रहास पारधी, रामेश्वर कटरे, धर्मेंद्र शिंगाडे, रणजीत मेश्राम, सचिदानंद भावे, भूमेश्वर बोपचे उपस्थित थे.

सोशल क्रांति युग में आधुनिक हो रही पत्रकारिता

फिर भी अखबारों की भूमिका महत्वपूर्ण- डीआईओ स्वेता पोटुडे

गोंदिया-सोशल मीडिया के आधुनिक युग में आज की पत्रकारिता एक क्लिक पर आ गई है। इस सोशल क्रांति से हम देश दुनिया की खबरें चंद मिनटों में देख और पढ़ सकते है। पर अखबारों की भूमिका आज भी उतनी ही विश्वसनीय है जितनी पहले थी। समाज, का रुझान आज भी अखबारों की तरफ अधिक है। चूंकि इसमें सच्चाई होती है जबकि सोशल मीडिया का सदुपयोग के साथ दुरुपयोग भी अत्यधिक है। उक्त आशय जिला सूचना अधिकारी स्वेता राऊत पोटुडे ने व्यक्त किया।

जिला सूचना अधिकारी श्रीमती पोटुडे 6 जनवरी मराठी पत्रकारिता के जनक आचार्य बालशास्त्री जांभेकर की जयंती (पत्रकार दिवस) के अवसर पर प्रेस ट्रस्ट ऑफ गोंदिया के कार्यक्रम में संबोधित कर बोल रहे थे। कार्यक्रम में मंच पर वरिष्ठ पत्रकार चंद्रकांत खंडेलवाल, सुब्रतो पाल, भगत ठकरानी, पीटीजी के अध्यक्ष अपूर्व मेठी, सचिव रवि आर्य उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरुआत दर्पनकार आचार्य बालशास्त्री जांभेकर के तैलचित्र पर पुष्प अर्पित कर एवं पूजन कर की गई। जिला सूचना अधिकारी स्वेता पोटुडे ने आगे कहा, आज अखबारों ने भी खुद को नई क्रांति में ढा लिया है। एआई जैसे टूल्स का प्रयोग किया जा रहा है। अनेक अखबार डिजिटल के साथ ही न्यूज पोर्टल और चैनल चला रहे है। सरकार ने आचार्य बालशास्त्री जांभेकर पत्रकार सम्मान योजना क्रियान्वित की है जिसका पत्रकारों ने लाभ उठाना चाहिये। वरिष्ठ पत्रकार सुब्रत पाल ने कहा, समाज को सच का आइना दिखाने वाला पत्रकार हरदिन अपनी कलम की ताकत से समाज के लिए लड़ता है पर पत्रकारों की आवाज़ को कोई नही उठाता। अनेक मुश्किलों से जूझने वाले पत्रकारों की फरियाद सुनने हेतु उसके लिए सरकार ने विशेष व्यवस्था कायम करना चाहिए। वरिष्ठ पत्रकार चंद्रकांत खंडेलवाल ने कहा, पत्रकार, समाज की ताकत है। समाज के उत्पीड़न को उठाकर उसे अखबारों के माध्यम से सामने लाकर उसे न्याय दिलाने का प्रयास पत्रकार करता है।

नवेगांवबांध अस्पताल में पहुंच गए जिलाधिकारी

गोंदिया -नवंबर-दिसंबर माह में अर्जुनी मोरगांव तहसील की तीन गर्भवती महिलाओं की प्रसूति के दौरान मृत्यु होने से प्रशासन में हड़कंप मच गया है. इसके चलते जिलाधिकारी प्रजीत नायर ने 6 जनवरी को अर्जुनी मोरगांव एवं नवेगांचवांध ग्रामीण अस्पताल का औचक दौरा किया, इस दौरान जिलाधिकारी ने अस्पतालों का निरीक्षण करके संबंधितों को दिशा-निर्देश दिए. तहसील में नवंबर-दिसंबर महीने में तीन गर्भवती महिलाओं की मौत हुई है. इन घटनाओं में स्वास्थ्य अधिकारियों की लापरवाही सामने आई है. अर्जुनी मोरगांव तहसील की बीड-बुरशी निवासी गर्भवती अनिता मेश्राम अर्जुनी मोरगांव ग्रामीण अस्पताल में 20 नवंबर को प्रसूति के लिए भर्ती हुई थी. महिला की दूसरे दिन ऑपरेशन से प्रसूति हुई थी. किंतु दो दिन के भीतर ही अनिता की मौत हो गई थी. दूसरी घटना कोरंबीटोला प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र की है, जहां गर्भवती वसंता नेताम को प्रसूति के लिए 3 दिसंबर की सुबह मर्ती कराया गया था. महिला को दर्द होने के बाद दूसरे दिन गोंदिया ले जाया जा रहा था कि उसकी मौत हो गई थी. तीसरी घटना में रागिनी मसराम (25) को 6 दिसंबर को नवेगांवबांध ग्रामीण अस्पताल में प्रसूति के लिए भर्ती कराया गया था. उसी दिन रात में यहां कार्यरत डॉक्टरों की लापरवाही से सामान्य प्रसूति के दौरान महिला को ज्यादा दर्द होने के दौरान तबीयत बिगड़ने पर गोंदिया रेफर किया गया था तथा वहां से नागपुर रेफर किया गया था. जहां 31 दिसंबर को उसकी मौत हो गई थी. इस औचक निरीक्षण के दौरान उपविभागीय अधिकारी वरुण कुमार शहारे, तहसीलदार अनिरुद्ध कांबले, ग्रामीण अस्पताल की डॉ. नंदा गेडाम, डॉ. हर घुले, डॉ. भंडारकर व मधुकर नंदनवार उपस्थित थे.

पंचायत समिति सभापति पद का आरक्षण 10 को

गोंदिया- ग्राम विकास विभाग की अधिसूचना के अनुसार जिले की सभी 8 पंचायत समितियों के सभापति पद का आरक्षण निश्चित किया जाना है। इसके लिए शुक्रवार 10 जनवरी को सुबह 11 बजे गोंदिया जिलाधिकारी कार्यालय के नियोजन समिति सभागृह में जिलाधिकारी प्रजित नायर की अध्यक्षता में आरक्षण की लॉटरी निकाले जाने के लिए सभा का आयोजन किया गया है।

सगाई से पहले जवान की मौत

सालेकसा - सड़क अर्जुनी तहसील के ग्राम कनेरी निवासी जवान नितेश कोरे (25) की मृत्यु हो गई. नितेश सालेकसा पुलिस थाने के सी-60 पथक में 30 अप्रैल 2024 से कार्यरत थे. सालेकसा थाने में 3 जनवरी को अचानक उनकी तबीयत खराब हो गई. उन्हें गोंदिया के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया. वहां स्वास्थ्य में सुधार नहीं होने पर नागपुर रेफर किया गया था.वहां उपचार के दौरान 5 जनवरी को उनकी मौत हो गई. 5 जनवरी की देर रात कनेरी के मोक्षधाम पर उनका अंतिम संस्कार किया गया. उनके परिवार में पिता दूधराम कोरे, मां रेखा कोरे एवं भाई राकेश कोरे है. जवान नितेश का विवाह देवरी तहसील के मरामजोब निवासी युवती से तय हुआ था. 10 जनवरी को उनकी सगाई होने वाली थी. उनकी मृत्यु से कनेरी व पुलिस थाना कर्मचारियों में शोक व्याप्त है.

स्वामित्व, मुद्रक, प्रकाशक व संपादक नवीन माणिकचंद अग्रवाल द्वारा बुलंद गोंदिया साप्ताहिक समाचार पत्र भवानी प्रिंटींग प्रेस, गुरुनानक वार्ड, गोंदिया ता.जि.गोंदिया से मुद्रित व बुलंद गोंदिया भवन, जगन्नाथ मंदिर के पास गौशाला वार्ड, गोंदिया-४४१६०१, ता.जि.गोंदिया से प्रकाशित । संपादक नवीन माणिकचंद अग्रवाल, मो.क्र.९४०५२४४६६८। (पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिये जिम्मेदार) प्रकाशित किये गये समाचार व लेख से संपादक सहमत है। न्यायालय क्षेत्र गोंदिया ।